Rastriya Sahara-New Delhi-05-09-2012

डीटीयू छात्रों ने बनाई सोलर कार

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा बनाई गई सोलर कार को हरी झंडी दिखाते राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी। यह कार 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है।

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा तैयार देश की पहली सोलर पैसेंजर कार को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन से हरी झंडी दिखाई। इस कार को विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग से स्नातक कर रहे विद्यार्थियों की टीम ने तैयार किया है। टीम के लीडर धीरज मिश्रा हैं। यह कार सर्वाधिक 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलती है। कार के एक बार सौर ऊर्जा से चार्ज होने के बाद 250 किलोमीटर तक जाया जा सकता है। ईको फ्रेंडली इस कार में 2 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। हालांकि इसमें तीन और व्यक्तियों के बैठने का विकल्प जोड़ा जा सकता है। इस प्रकार, कुल पांच व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था इस कार में की गई है। कार की बॉडी स्पेशल

(शेष पेज 2)

www.neeviaPDF.com

डीटीयू छात्रों ने...

ग्रेड मैट फाइबर से तैयार की गई है, ताकि कार का वजन बेहद हल्का रहे। कार के ऊपर मोनो क्रिटलाइन सोलर सिलिकॉन सेल्स को लगाया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा सौर ऊर्जा कार को मिल सके। कार के एक बार चार्ज होने के बाद इसमें 800 वॉट ऊर्जा पैदा होती है। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो. पीबी शर्मा ने कहा कि भविष्य में सोलर और हाईब्रिड कारें ही चलेंगी। डीटीयू की पहली सोलर कार, जो देश की भी पहली सोलर कार है, ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के वर्ल्ड सोलर चैलेंज में हिस्सा लिया था।